Tital Code : RAJHIN27802

वागड़ संदेश

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर में खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-2 | अंक-4 | सागवाड़ा, रविवार, 18 सितम्बर, 2022 | भाषा : हिन्दी | ई-पेपर | अवधि:(वार्षिक) | मूल्य-10 रु. | पृष्ठ-1

निलंबित तहसीलदार, गिरदावर और पटवारी से जांच अधिकारी ने की पूछताछ

जाँच अधिकारी डूंगरपुर सीईओ राठौड़ ने सागवाडा पहुँच कर कडाणा विभाग के अधिकारियों का भी पक्ष जाना

सागवाडा। कडाणा विभाग की बेशक़ीमती भूमि के नामांतरण खोले जाने के बाद रजिस्ट्री कर देने के प्रकरण के मामले में जाँच अब धीरे धीरे आगे बढ़ रही है। इस पूरे मामले में राजस्व विभाग के अधिकारियों के निलंबन के बाद डूंगरपुर कलेक्टर डॉक्टर इन्द्रजीत यादव ने डूंगरपुर जिला परिषद के सीईओ दीपेंद्र सिंह राठौड़ को जाँच अधिकारी नियुक्त किया था। 22 अगस्त को डूंगरपुर कलेक्टर ने इस मामले में सागवाडा तहसीलदार मयूर शर्मा, गिरदावर मुकेश भोई और गोवाडी पटवारी राकेश मीणा को निलंबित कर दिया था। निलंबन करने के बाद जाँच आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इधर, डूंगरपुर सीईओ दीपेंद्र सिंह राठौड़ शनिवार को सागवाडा पहुँचे और अपनी जाँच शुरू की। जाँच अधिकारी दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि उन्होंने तहसीलदार, गिरदावर, पटवारी और इससे जुड़े अन्य कर्मचारियों से पूछताछ के साथ ही रिकॉर्ड संबंधी जानकारी ली है । उन्होंने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कडाणा विभाग के अधिकारियों के पक्ष को भी जाना है और बयान लिए गए हैं साथ ही कडाणा विभाग से भी रिकॉर्ड लिया गया है। इस मामले में जो भी तथ्य उनके सामने आए हैं इसकी एक रिपोर्ट बनाकर जल्दी ही कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएगी। इधर इस पूरे प्रकरण ज़मीन ख़रीदने वाले, बेचने वाले और गवाह पुलिस की पकड़ से दूर हैं जिससे इस पूरे मामले का ख़ुलासा नहीं हो पा रहा है कलेक्टर की ओर से की जा रही जाँच में सिर्फ़ तहसीलदार गिरदावर और पटवारी की भूमिका की जाँच हो पाएगी पुलिस की ओर से की जा रही जाँच आगे नहीं बढ़ने से मुख्य साजिशकर्ता अभी भी पकड़ से दूर हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्व विभाग के एक आदेश के बाद कडाणा विभाग की बेशक़ीमती भूमि का नामांतरण खोलकर रजिस्ट्री कर दी गई थी। आदेश की फ़र्ज़ी होने की जानकारी मिलने के बाद नामांतरण निरस्त कर दिया गया था। रजिस्ट्री निरस्त करने के लिए के लिए कडाणा विभाग को वाद दायर करने के कलेक्टर ने दिए आदेश दिए थे। इस पूरे मामले को लेकर अब पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर जाँच से चल रही है।

दो सप्ताह बाद भी कोर्ट में न वाद दायर किया गया न ही जांच आगे बढ़ रही

कड़ाणा विभाग की बेशक़ीमती भूमि को कूट रचित दस्तावेजों के माध्यम से हड़पने का मामला

सागवाडा। कडाणा विभाग की बेशक़ीमती भूमि के मामले में शासन और प्रशासन की ढिलाई का पता इसी से लग रहा है की उक्त भूमि की रजिस्ट्री निरस्त कराने को लेकर कडाणा विभाग की ओर से कोर्ट में अभी तक वाद दायर नहीं किया गया है। कड़ाणा विभाग की बेशक़ीमती भूमि को कूट रचित दस्तावेजों के माध्यम से हड़पने के प्रयास के मामले में जो जा रही जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है। इधर, भूमि ख़रीदने व बेचने वाले भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं वहीं दूसरी ओर कडाणा विभाग की ओर से अभी तक रजिस्ट्री को लेकर किसी प्रकार का वाद कोर्ट में दायर नहीं किया गया है। मामले में देरी से ऐसा लग रहा है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों के खिलाफ़ चल रही जाँच भी ठंडे बस्ते में है। सागवाडा दौरे पर आए डूंगरपुर कलेक्टर इंद्रजीत सिंह यादव से जब कडाणा विभाग से जुड़े मामले पर सवाल किया गया तो उन्होंने भी यही कहा कि इस मामले में पुलिस भी जांच कर रही है और राजस्व विभाग के अधिकारियों के खिलाफ़ डूंगरपुर जिला परिषद के सीईओ को जाँच दे रखी है। इधर, जब कलेक्टर से पूछा गया कि कडाणा विभाग की ओर से रजिस्ट्री के संबंध में वाद दायर किया गया है या नहीं तो इस संबंध में कलेक्टर ने कहा कि इसकी जानकारी अभी मुझे नहीं है। इधर, कडाणा विभाग के अधिकारियों से को जब इस मामले में जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि इस मामले में वक़ील कलेक्टर की ओर से नियुक्त किए जाने हैं जिसकी जानकारी अभी तक नहीं मिली है ऐसे में वाद दायर नहीं किया गया। राजस्व विभाग के एक आदेश पर सागवाडा में कडाणा विभाग की क़रीब 30 करोड़ की भूमि का न सिर्फ़ नामांतरण खोल दिया गया था बल्कि इसकी रजिस्ट्री भी कर दी गई थी। जब इस आदेश के फ़र्ज़ी होने की जानकारी मिली तो कलेक्टर के आदेश पर सागवाडा तहसीलदार मयूर शर्मा ने नामांतरण को निरस्त कर दिया था और कूट रचित दस्तावेजों के माध्यम से ज़मीन हड़पने के मामले में सागवाडा थाने में एफ़आइआर भी दर्ज कराई थी। इसके कुछ दिनों के बाद डूंगरपुर कलेक्टर ने तहसीलदार मयूर शर्मा, गिरदावर मुकेश भोई और पटवारी राकेश मकवाना को निलंबित कर इनके खिलाफ़ विभागीय जांच के आदेश दिए थे। एफ़आइआर दर्ज होने के बाद से ही ज़मीन को ख़रीदने वाली और बेचने वाले अब तक पुलिस के हाथ नहीं लग पाए हैं। इधर, यह भी बताया जा रहा है कि पहले तो सिर्फ़ ख़रीदने और बेचने वाले ही फ़रार थे लेकिन पुलिस की दबिश के चलते अब परिवार वाले भी घर छोड़ चुके हैं। दो सप्ताह से अधिक का समय गुजरने के बाद भी कडाणा विभाग की ओर से रजिस्ट्री को लेकर कोर्ट में कोई वाद दायर नहीं किया गया है।

इनका कहना

रजिस्ट्री निरस्त करने के लिए कोर्ट में वाद दायर करने कलेक्टर से आदेश प्राप्त हुए थे। इसकी जानकारी विभाग के उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। हालांकि इस मामले में कलेक्टर की ओर से वक़ील नियुक्त किया जाना है जिसकी प्रक्रिया अभी चल रही है। इसके बाद कोर्ट में वाद दायर किया जाएगा।

ताराचन्द गहलोत, एक्सईएन कडाणा विभाग सागवाडा

बंद बोडी कंटेनर से गुजरात तस्करी हो रही थी 35 लाख की शराब

पुलिस ने कंटेनर जब्त कर चालक सहित दो आरोपी किये गिरफ्तार

डूंगरपुर। जिले की बिछीवाडा थाने की रतनपुर पुलिस चौकी को अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने रतनपुर बोर्डर पर अवैध शराब से भरे एक बंद बोडी कंटेनर को जब्त कर 505 कार्टन शराब बरामद किये है। वही कंटेनर चालक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत 35 लाख रूपये की बताई जा रही है। इधर दो दिन पहले भी रतनपुर पुलिस चौकी ने 30 लाख की शराब पकड़ी थी। डूंगरपुर जिले के डूंगरपुर पुलिस उपाधीक्षक राकेश शर्मा ने बताया की डूंगरपुर जिले के जिला पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा की ओर से अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मुखबिर के जरिये राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बोर्डर से होकर गुजरात अवैध शराब तस्करी की सुचना मिली थी। सूचना पर बिछीवाडा थाने के उप निरीक्षक प्रभुलाल, रतनपुर चौकी प्रभारी सुशील दसोरा, कांस्टेबल वसीम खान, लोकेन्द्र, सुनील और नरेंद्र ने रतनपुर बोर्डर पर नाकेबंदी शुरू की। इस दौरान उदयपुर की तरफ से आ रहे एक बंद बॉडी कंटेनर को रोककर पुलिस की ओर से तलाशी ली गई तो कंटेनर के अंदर प्लास्टिक के ड्रमों में फाइबर रूई की आड़ में शराब की बोतले भरी हुई थी । जिस पर पुलिस ने कंटेनर को जब्त किया। वही कंटेनर से शराब की बोतल को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस ने कंटेनर के अंदर प्लास्टिक के ड्रमों में भरी विभिन्न ब्रांड की 505 कर्टन अवैध शराब जब्त की। जब्त शराब की कीमत करीब 35 लाख रुपए बताई जा रही है। इधर पुलिस ने आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज कर कंटेनर चालक हरियाणा राज्य से हिसार जिले के निवासी विनोद पिता निहालसिंह जाट और उसके सहयोगी प्रदीप पिता जयेश जाट को गिरफ्तार किया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वह दिल्ली से शराब को कंटेनर में भरकर गुजरात के अहमदाबाद जा रहे थे। फिलहाल पुलिस शराब बेचने और खरीदने वाले लोगों की जानकारी जुटा रही है।

दम्पति के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने दो दिन में किया खुलासा, मृतक का छोटा भाई गिरफ्तार

नाबालिग भतीजा डिटेन, अवैध संबंधो के चलते हुई थी हत्या

डूंगरपुर। जिले की चौरासी थाना पुलिस ने बेडसा गाँव में पति-पत्नी के ब्लाइंड मर्डर का दो दिन में ही खुलासा कर दिया है। दम्पति की हत्या अवैध संबंधो के चलते की गई थी। मृतक व मृतक के छोटे भाई का अपनी विधवा भाभी से अवैध सम्बन्ध थे। बड़े भाई को रास्ते से हटाने के लिए छोटे भाई ने अपने नाबालिग भतीजे को उकसाकर हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। वही नाबालिग भतीजे को डिटेन कर लिया है। डूंगरपुर जिले के सीमलवाडा पुलिस उपाधीक्षक रामेश्वर लाल ने बताया की 15 सितम्बर को चौरासी थाना क्षेत्र के बेडसा गाँव में बेडसा निवासी 50 वर्षीय रामा पुत्र कमजी भगोरा व उसकी पत्नी आशा भगोरा का शव उनके घर में मिले थे। किसी अज्ञात ने धारदार हथियार से दोनों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी। पुलिस ने मृतक रामा के भाई थावरा भगोरा की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले के खुलासे के लिए चौरासी थानाधिकारी भेमजी गरासिया के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। जांच ने अपना अनुसन्धान शुरू किया। इस दौरान मृतक रामा भगोरा के सबसे छोटे भाई मणिलाल भगोरा पर पुलिस को संदेह हुआ।

जिस पर पुलिस ने मणिलाल भगोरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में मणिलाल भगोरा ने अपने सबसे बड़े भाई रामा व अपनी बड़ी भाभी आशा की हत्या अपने नाबालिग भतीजे के साथ मिलकर करना कबूल किया।

अवैध संबंधो के चलते की हत्या

डूंगरपुर। जिले के सीमलवाडा पुलिस उपाधीक्षक रामेश्वरलाल ने बताया की आरोपियों से हत्या के कारणों के सम्बन्ध में पूछताछ की गई तो सामने आया की मणिलाल ने ये हत्या अवैध संबंधो के चलते की थी। डिप्टी रामेश्वर लाल ने बताया की मृतक रामा भगोरा व उसके सबसे छोटे भाई मणिलाल भगोरा दोनों के उनकी विधवा भाभी से अवैध सम्बन्ध थे। मणिलाल ने अपने बड़े भाई रामा को रास्ते से हटाने के लिए एक साजिश रची। मणिलाल के जिस भाभी से अवेध सम्बन्ध थे उसी के नाबालिग लड़के को रामा व उसकी माँ के बीच के संबंधो के बारे में बताया और उसे रामा की हत्या के लिए उकसाया। जिस पर 14 सितम्बर की देर रात को मणिलाल व उसका नाबालिग भतीजा तलवार लेकर रामा के घर पहुंचे। इस दौरान नाबालिग भतीजे ने तलवार से सोते हुए रामा व उसकी पत्नी पर ताबड़तोड़ वार किये और उनकी हत्या कर चले गए थे। फिलहाल पुलिस मामले में दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने में लगे कलेक्टर, चौरासी क्षेत्र के राजकीय अस्पतालों का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं व सुविधाओं का लिया जायजा

सीमलवाडा। डूंगरपुर जिला कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव आज चौरासी विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान कलेक्टर यादव ने विधानसभा क्षेत्र के सबसे बड़े सीमलवाडा राजकीय अस्पताल व गुजरात सीमा से लगते गाँवों के राजकीय अस्पतालों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय व्यवस्थाओ व सुविधाओं का जायजा लेते हुए इलाज के लिए गुजरात पलायन की समस्या को रोकने के निर्देश दिए। डूंगरपुर जिला कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव का पूरा फोकस अभी डूंगरपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं व चिकित्सकीय सुविधाओं के सुधारने में लगा है। इसी को लेकर कलेक्टर यादव राजकीय अस्पतालों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को सुधारने में लगे है। इसी के तहत आज डूंगरपुर जिला कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव ने जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय अस्पतालों का निरीक्षण किया। सबसे पहले कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव चौरासी विधानसभा क्षेत्र के सबसे बड़े सीमलवाडा राजकीय अस्पताल पहुंचे। जहा पर कलेक्टर ने अस्पताल में दिखाने आये और भर्ती मरीजो व उनके परिजनों से संवाद कर अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ अस्पताल स्टाफ से निशुल्क दवा योजना, निशुल्क जांच योजना, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के सम्बन्ध में जानकारी ली और चिरंजीवी योजना में विभिन्न पैकेज का लाभ लेने वाले मरीजो की जानकारी इन्द्राज करने के निर्देश दिए। इधर सीमलवाडा अस्पताल के निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ़-सफाई का अभाव मिला जिस पर कलेक्टर ने अस्पताल प्रभारी को सफाई व्यवस्थाये सुधारने के निर्देश दिए। इधर इसके बाद कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव ने गुजरात सीमा से लगते डुका राजकीय अस्पताल व सरथुना राजकीय अस्पताल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अस्पतालों में निशुल्क जांच योजना में जांच का प्रतिशत कम पाया गया। जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ को सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी मरीजो को देते हुए उनका पूरा लाभ देने के निर्देश दिए ताकि सीमावर्ती गाँवों के लोगो का इलाज के लिए गुजरात पलायन रुक सके।

हिराता पूर्व सरपंच की सौतेली मां का घर में लटका मिला शव, पीहर पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

डूंगरपुर। जिले के वरदा थाना क्षेत्र के हिराता गाँव में हिराता पूर्व सरपंच की सौतेली माँ का घर में फांसी के फंदे से लटका हुआ शव मिलने पर सनसनी फ़ैल गई। सुचना पर पहुंचे पीहर पक्ष ने मौके पर काफी हंगामा मचाया वही ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी है। डूंगरपुर जिले के वरदा थाने के थानाधिकारी रामेंग पाटीदार ने बताया की रघुनाथ पूरा निवासी 56 वर्षीय कांतिलाल पुत्र रामशंकर कोटडिया ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में कांतिलाल कोटडिया ने बताया की आठ साल पहले उसने अपनी 35 वर्षीय बेटी निर्मला कोटडिया की शादी हिराता निवासी गौतम लाल रोत पुत्र हाजा रोत के साथ करवाई थी। उन्होंने बताया की निर्मला गौतम की दूसरी पत्नी है। वही पहली पत्नी व उसकी संताने व उनकी बहु भी उनके साथ ही रहते थे।

कांतिलाल ने बताया की राखी पर उसकी बेटी निर्मला उसके पीहर आई थी और उसने बताया की उसके ससुराल में उसके पति गौतमलाल, गौतमलाल की पहली पत्नी जमना देवी, गौतमलाल का पुत्र हिराता पूर्व सरपंच राकेश रोत, राकेश रोत की पत्नी, गौतमलाल का छोटा बेटा जितेन्द्र उसकी पत्नी ममता सभी मिलकर उसे प्रताड़ित करते है और उसे और उसके दो बच्चो को घर से निकालना चाहते है। लेकिन उस समय बेटी निर्मला को समझा कर वापस हिराता उसके ससुराल भेज दिया था। वही आज निर्मला का शव उसके घर में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। सुचना पर वरदा थाना पुलिस व पीहर पक्ष मौके पर पहुंचा जहा पर पीहर पक्ष ने खूब हंगामा करते हुए ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव लटकाने के आरोप लगाए। जिसके बाद पुलिस ने समझाइश करते हुए शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जहा पर पुलिस ने पीहर पक्ष की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

केनरा बैंक का एटीएम उखाड़ने की कोशिश, कैश का लॉकर नही टूटने से 3 लाख बचे, 3 दिन से पुलिस के पास घटना देखने की फुर्सत नहीं

डूंगरपुर। शहर के कलेक्ट्री रोड पर केनरा बैंक का एटीएम तोड़कर उखाड़ने की कोशिश की गई। लेकिन बदमाश एटीएम का मैन लॉकर नही टूटने से 3 लाख का कैश बच गया। वही घटना के बाद 3 दिन से ब्रांच मैनेजर पुलिस थाने के चक्कर काट रहे थे, लेकिन कोतवाली पुलिस ने न तो एफआईआर दर्ज की है और न ही अब तक एटीएम पर जाकर मौका मुआयना करने की फुर्सत मिली है।

ऐसे कोतवाली पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई है। मामले में अब डीएसपी ने जांच करवाने की बात कही है।

केनरा बैंक के ब्रांच मैनेजर कपिल गुप्ता ने बताया की 14 सितंबर की रात के समय चोरों ने बैंक के बाहर ही स्थित एटीएम को उखाड़ने की कोशिश की है। चोर बिना गार्ड के एटीएम में घुसे।

एटीएम के सबसे आगे का लॉक, एटीएम स्क्रीन, हैंडल समेत ग्राउंड को तोड़ दिया है। इसके बाद चोरों ने एटीएम को उखाड़कर ले जाने की कोशिश की, लेकिन हेवी वेट होने की वजह से चोर एटीएम ले नही जा सके। वही चोरों ने एटीएम के कैश लॉकर के मैन लॉक को तोड़ने का भी प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। ब्रांच मैनेजर ने बताया की एटीएम में 3 लाख का कैश था, जो लॉक नही टूटने से बच गया।

ब्रांच मैनेजर ने बताया की घटना का पता दूसरे दिन 15 सितंबर को लगा और इसके बाद कोतवाली थाने में रिपोर्ट भी दी गई, लेकिन पुलिस की ओर से 3 दिनो से अब तक न तो फिर काटी गई है और न ही कोई पुलिस अधिकारी मौका मुआयना करने पहुंचा है। मैनेजर ने बताया की तीन दिनों से वे कोतवाली थाने के रोज चक्कर काट रहे है, लेकिन पुलिस का कोई अधिकारी जांच करने या देखने नही आया की एटीएम में चोरी का किस तरह से प्रयास हुआ है। एटीएम में चोरी के प्रयास के बावजूद पुलिस के नही पहुंचने पर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। वही मामले को लेकर डीएसपी राकेश कुमार शर्मा से बात की तो बताया की मामला जानकारी में आया था। लेकिन कोतवाली पुलिस थाने से किसी भी अधिकारी के लिए जांच पर नहीं जाना गंभीर मामला है। पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

डूंगरपुर में वागडी बोली में क्विज प्रतियोगिता का होगा आयोजन

स्वतंत्रता संग्राम व देशभक्तों के जीवन से जुड़े प्रश्न होंगे शामिल, अधिकतम 50 हजार जीतने का मिलेगा मौका

डूंगरपुर। कौन बनेगा करोडपति की तर्ज पर डूंगरपुर जिले में 9 अक्टूबर को वागडी भाषा में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन होगा। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता संग्रामो व उनसे जुड़े देशभक्तों के जीवन से जुड़े सवाल इस क्विज में पूछे जायेंगे। वही क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी को अधिकतम 50 हजार रुपए जीतने का मौका मिल सकेगा। लबदम प्रोडक्शन आर्ट प्राइवेट लिमिटेड डूंगरपुर के कैलाश प्रेमी ने आज पत्रकार वार्ता में इस क्विज प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एक निजी होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कैलाश प्रेमी ने बताया की देश आजादी का अमृत महोत्सव बना रहा है। इसी को देखते हुए उन्होंने भारत में आजादी के लिए जितने भी स्वतंत्रता संग्राम व आन्दोलन हुए है और उन आंदोलनों से जुड़े जो भी देशभक्त व शहीद हुए है।

उनके जीवन से आमजन को रूबरू करवाने के उद्देश्य के साथ डूंगरपुर व बाँसवाड़ा जिलो में बोली जाने वाली वागडी भाषा के संरक्षण व बल देने के लिए इस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया की क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 9 अक्टूबर को शहर के विजयाराजे सिन्ध्या ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। जिसमे अधिकतम 40 प्रतिभागी ही भाग ले पायंगे। वही प्रतियोगिता में सभी प्रश्न वागडी भाषा में ही होंगे। पहले प्रतियोगियो से 5-5 प्रश्न पूछे जायेंगे जो भी प्रतियोगी सबसे पहले इन प्रश्नों का सही जवाब देगा उसे हॉट सीट पर बैठने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया की हॉट सीट पर कुल 11 प्रश्न पूछे जायेंगे जिसमे प्रश्न एक से लेकर 10 तक प्रत्येक की इनामी राशि एक-एक हजार है। वही 11 वे प्रश्न की राशी 50 हजार होगी। ऐसे में प्रतियोगिता में प्रतियोगी को अधिकतम 50 हजार तक की राशि जितने का मौका मिल सकेगा।

समाज के चहुंमुखी विकास में शिक्षा का विशेष योगदान : गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन के संकल्प के साथ पूरे प्रदेश के चहुंमुखी विकास और आमजन के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। आज ऐसा कोई वर्ग नहीं है जिसे राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों का लाभ नहीं मिल रहा हो। गहलोत शनिवार शाम मुख्यमंत्री निवास पर सेन समाज के आभार ज्ञापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसान, पशुपालक, मजदूर, महिला, युवा, बालिका, नि:शक्तजन एवं वरिष्ठजन आदि सभी वर्गों के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने केश कला बोर्ड के 'प्रतीक चिन्ह' का लोकार्पण किया। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा केशकला के महत्व और इससे जुड़े लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए केशकला बोर्ड का गठन किया गया है। राज्य के हर नागरिक को स्वस्थ जीवन देने के लिए चिरंजीवी योजना की शुरूआत की गई, जिसमें 10 लाख का इलाज व 5 लाख का दुर्घटना बीमा नि:शुल्क दिया जा रहा है। केश कला बोर्ड अध्यक्ष महेन्द्र गहलोत द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केश कला से जुड़े समाज के लोगों के लिए बूथ आंवटन, कियोस्क आवंटन, शिक्षा व रोजगार के लिए ऋण सहायता, इन्दिरा आवास और मुख्यमंत्री आवास योजना का काम पहले से ही राज्य सरकार कर रही है।

आज से चलाया जाएगा पल्स पोलियो अभियान

जयपुर। राजस्थान के 21 जिलों में रविवार 18 सितम्बर को पल्स पोलियो अभियान संचालित होगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में 69 लाख से अधिक बच्चों को दो-बूंद-जिंदगी की पिलाई जायेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वह रविवार को जन्म से 5 साल तक के बच्चों को पोलियो बूथ ले जाकर पल्स पोलियो की दवा अवश्य पिलवाएं। शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. पृथ्वी ने बताया कि प्रदेश में उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान दो चरणों में संचालित किये जाने हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को द्वितीय चरण में 21 जिलों यथा अजमेर, भीलवाडा, बीकानेर, चूरू, दौसा, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालौर, झालावाड, नागौर, सिरोही, टोंक, , भरतपुर एवं जोधपुर में पल्स पोलियों आभियान आयोजित किया जावेगा।

गहलोत ने रखा राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस की आज हुई अहम बैठक में राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में सारे अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को दिए गए है। बैठक में प्रदेश प्रभारी अजय माकन, सीएम अशोक गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत 400 पीसीसी मेंबर्स मौजूद रहे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जयपुर कार्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रस्ताव रखा। प्रभारी अजय माकन और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रस्ताव का समर्थक किया। उसके बाद पीसीसी सदस्यों ने हाथ खड़े कर प्रस्ताव का समर्थन किया। एआईसीसी और पीसीसी अध्यक्ष का फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ा गया है। बैठक में सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहिए।